කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

විවෘත සහ දුරස්ථ අධ්‍යයන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය
(බාහිර) - 2008

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - **HIND-E-1025**

නූතන හින්දී සාහිත්‍යය හැඳින්වීම සහ
නූතන හින්දී සාහිත්‍ය උද්ධෘත රස විඳීම (නියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි. කාලය : පැය 03 යි.

ප්‍රශ්න සියල්ලට ම පිළිතුරු සපයන්න.

प्रथम भाग

01. निम्नलिखित किन्हीं **दो** पद्यांशों की संदर्भ सहित **व्याख्याएँ कीजिए**।(20 अंक)

(क) मुट्ठी-भर दाने को... भूख मिटाने को
मुँह फटी-पुरानी झोली को फैलाता --
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाँयें से वे मलते हुए पेट चलते हैं,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाये।
भूख से सूख ओंठ जब जाते,
दाता... भाग्य-विधाता से क्या पाते ?

(ख) खड़ा द्वार पर लाठी टेके,
वह जीवन बूढ़ा पंजर
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील-डौल है
हट्टी-कट्टी काठी चौड़ी ;
इस खंडहर में बिजली-सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी।

(ग) हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक ही-सी चाँदनी है डालता
छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर - वसन
फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला
खटकता है एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर - सीस पर।

02. संदर्भ देते हुए किन्हीं **दो** गद्यांशों के अर्थ हिंदी में समझाइए। (20 अंक)

(क) हम कहाँ नीच हैं ? और ये लोग क्या ऊँचे हैं ? इसलिए कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं ? यहाँ तो जितने हैं, एक-से-एक छँटे हैं। चोरी ये करें, जाल-फरेब ये करें, झूठे मुकदमे ये करें। इन्हीं पंडित जी के घर में तो बारहों मास जुआ होता है। यही साहू जी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं। किस बात में हैं हम से ऊँचे ?

(ख) राजकीय रक्षण की अधिकारिणी तो प्रजा है, मंत्रिवर! महाराज को भुमि-समर्पण करने में तो मेरा कोई विरोध न था और न है, किंतु मूल्य स्वीकार करना असंभव है।

(ग़) दुनिया का व्यवहार इतना शुष्क, इतना निर्मम, इतना क्रूर है ? मैं उससे नफ़रत करता हूँ। क्या ये लोग नहीं समझते कि यह जो मर जाती है, वह भी किसी की लड़की होती है, किसी माता-पिता के लाड़ में पली होती है, फिर उसके मरते ही सगाइयाँ लेकर दौड़ते हैं।

03. (क) 'पुरस्कार' कहानी में निरूपित मधूलिका के चरित्र का चित्रण कीजिए। (20 अंक)

अथवा

(ख) जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

द्वितीय भाग

(इन प्रश्नों के उत्तर सिंहल भाषा में लिख सकते हैं।)

04. भारतेंदु हरिश्चंद्र जी की साहित्यिक सेवा का परिचय दीजिए। (20 अंक)

05. द्विवेदी युग के साहित्य की विशेषताएँ क्या-क्या हैं ? समझाइए। (20 अंक)

***